अव्यवस्थाओं पर सवालिया निशान खड़े करती निष्पक्ष,निर्भीक खबरों का दैनिक संकलन

Daily NEWS ALERT
A Public Media Campaign

खबरों पर सरकार का पक्ष जानने के लिए लॉगिन करें:-
www.jawabdosarkar.com

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

01

2020/dna/jpr/05 जयपुर संस्करण E-News-Digest, Issued in Public Interest मंगलवार, 28 अप्रैल 2020

क्वारेंटाइन लोगों का वीडियो वायरल, बोले- भूखे मारने से बेहतर हमें घर छोड़ दो

एसडीएम ने मेडिकल टीम पर फोड़ा ठीकरा, मेडिकल टीम ने प्रशासन पर खाना नहीं देने की शिकायत पर नौकरी से निकालने की धमकी देने का आरोप लगाया

भास्कर न्यूज | सिकराय

लालसोट नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड 17 में कोरोना पॉजिटव केस निकलने के बाद जिला प्रशासन द्वारा मेहंदीपुर बालाजी की एक धर्मशाला में क्वारेंटाइन किए गए बच्चें, महिलाओं सहित लोगों को उपखंड प्रशासन द्वारा खाना नहीं दिए जाने व धर्मशाला परिसर में गंदगी की सफाई नहीं होने से हो रही परेशानी को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें क्वारिन्टाइन परिवार का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने प्रशासन से सिकराय में भूख से मरने के बजाय उन्हें लालसोट में ही शिफ्ट करने मांग की है। क्वारिन्टाइन परिवार एवं बच्चों का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन ने लापरवाही का ठीकरा मेडिकल टीम पर फोड़ते हुए सीएमएचओ को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है, वहीं मेडिकल टीम ने भी सीएमएचओ को शिकायत भेजकर प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारियों पर खाना नहीं देने की शिकायत पर नौकरी से निकलवाने की धमकी देने सहित अन्य कार्रवाई के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

लालसोट कस्बे में गत दिनों लैब टेक्नीशियन को कोरोना पॉजीटिव आने के बाद संपर्क में आए परिजन, रिश्तेदार एवं लोगों को मेहंदीपुर बालाजी स्थित एक धर्मशाला में बनाए गए क्वारिन्टाइन वार्ड में शिफ्ट कर रखा है। इनमें एक साल से लेकर 10 साल तक के कई छोटे बच्चे भी शामिल हैं। क्वारिन्टाइन वार्ड में शिफ्ट किए बच्चे व लोगों को खाना सहित अन्य सुविधाओं के लिए प्रशासन की मॉनिटरिंग में पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी व अन्य कार्मिकों तथा उपचार व देखभाल के लिए मेडिकल टीम नियुक्त की गई थी। लेकिन हाल ही में प्रशासन द्वारा बच्चों को दूध व नियमित खाना उपलब्ध नहीं कराने को लेकर क्वारिन्टाइन लोगों का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में प्रशासन पर भूखा रखने के साथ-साथ छोटे बच्चों को दूध उपलब्ध भी नहीं कराने सहित सफाई की कोई व्यवस्था नहीं करने के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने भूख से परेशान बच्चों की चिंता जाहिर करते हुए सिकराय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

एसडीएम ने लिखा- मेडिकल टीम खाना वितरण में नहीं कर रही सहयोग

एसडीएम हरिताभ आदित्य ने सीएमएचओ को पत्र लिखकर बताया कि प्रशासन द्वारा क्वारिन्टाइन लोगों के लिए खाना, पानी, रहने एवं सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं, लेकिन बार-बार समझाइश के बाद भी मेडिकल टीम पर खाना वितरण में प्रशासन का सहयोग नहीं कर रही है, इसके अलावा उन्हें दवाइयां भी दूर से फेंककर दी जा रही है। साथ ही उनके साथ अभ्रद व्यवहार किया जा रहा है, जिससे लिए प्रशासन का उनकी उलाहना सुननी पड़ रही है।

क्वारेंटाइन लोगों का गुस्सा झेल रही है मेडिकल टीम, कलेक्टर को पत्र

क्वारेंटाइन केंद्र पर सैंपल कलेक्शन व देखभाल के लिए लगाए गए टीम के चिकित्साकर्मियों ने सीएमएचओ को शिकायत भेजकर प्रशासन पर भरपेट खाना नहीं देने एवं नियमित सफाई व्यवस्था नहीं करने का आरोप लगाया है। चिकित्साकर्मियों ने शिकायत में बताया कि अधिकारियों को खाना एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए कहा जाता है तो एसडीएम, तहसीलदार व अन्य कर्मचारी मेडिकल कर्मचारियों को धमकाकर नौकरी से निकलवाने की चेतावनी देकर लौट जाते हैं, जिससे आक्रोशित क्वारिन्टाइन लोगों का गुस्सा मेडिकल कर्मियों को झेलना पड़ रहा है। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री व कलेक्टर को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-दैनिक भास्कर,दौसा	प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-जिला प्रशासन,दौसा	संबन्धित मामला:-लापरवाही,अव्यवस्था

02

मोबाइल टावर हटवाने के लिए नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

टावर की भारी भरकम मशीन टूटकर गिरने से दहशत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

टपूकड़ा. कस्बे के श्याम बाग कॉलोनीवासियों ने एक मोबाइल कंपनी के टावर को हटवाने को लेकर नायब तहसीलदार अजितपाल यादव को ज्ञापन सौंपा। श्याम बाग कॉलोनी वासियों ने बताया कि कॉलोनी के मध्य एक मोबाइल कंपनी का काफी ऊंचा टावर लगा हुआ है। इस टावर से आंधी व तेज हवा के चलते कई बार कुछ न कुछ सामान खुलकर या टूटकर गिरता रहता है। जिससे कई बार अनहोनी होते-होते बची है। कई बार उसके तारों में आग भी लग चुकी है। जिस पर कॉलोनी वासियों ने अपने स्तर पर काबू पाया था।

इस कारण कॉलोनी वासी इस टावर से भयभीत हैं। टावर पर कोई चौकीदार या देखरेख करने वाला कर्मचारी भी नहीं है। कॉलोनी वासियों को ही इस पर नजर रखनी पड़ रही है। रविवार को भी तेज हवा के चलते इस टावर से एक भारी-भरकम मशीन टूटकर पड़ोस में रहने वाले अविनाश शर्मा के मकान की दीवार पर आकर गिरी। गनीमत रही कि परिवार के सदस्य उस समय मकान के दूसरे कक्ष में थे, जिससे कोई अप्रिय घटना घटित नहीं हुई। इस घटना से न केवल अविनाश का परिवार बल्कि संपूर्ण कॉलोनी वासी भयभीत हैं। थानाधिकारी व सरपंच प्रतिनिधि को घटना से अवगत कराया गया। थानाधिकारी जयप्रकाश ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया तथा सरपंच प्रतिनिधि रमेश गर्ग ने घटना की जानकारी ली। टावर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से कॉलोनी वासियों के स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। टावर को कॉलोनी के मध्य से हटवा अन्य किसी स्थान पर स्थापित कराया जाए। इस अवसर पर अविनाश शर्मा, सौरभ आजाद, चिराग मिल, रतन सेन व रामजीलाल आदि उपस्थित रहे।

टपूकड़ा. ज्ञापन सौंपते हुए कॉलोनीवासी।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राजस्थान पत्रिका,अलवर	प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-जिला प्रशासन,अलवर	संबन्धित मामला:-अव्यवस्था,दुर्घटना की संभावना

03

वन्यजीवों की कैसे बुझे प्यास, वाटर होल खाली

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

मांडलगढ़. पानी की तलाश में भटकते हुए पैंथर की मौत के बाद भी वन विभाग गंभीर नहीं हैं और तेज गर्मी का एक माह बीत जाने के बाद भी ग्राम पंचायत गेणोली से मोहनपुरा के बीच वन क्षेत्र में वन्यजीवों के लिए बनाया हुआ वाटर होल खाली पड़ा है ।वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही के चलते वन्यजीवों के लिए आज तक उक्त क्षेत्र में पानी की व्यवस्था नहीं की गई है। जिस कारण वन्यजीव पशु पक्षी पानी के लिए भटकते नजर आते हैं । वन जीव ऐसी लापरवाही के चलते ही अकाल मृत्यु का ग्रास बन रहे हैं । अप्रेल 2017 में इस क्षेत्र में एक पैंथर की रेल से कटने से मौत हो चुकी है ।1 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग सत्ताईस पर वाहन दुर्घटना में एक पैंथर, 8 वर्ष पूर्व भी एनएच 27 वाहन दुर्घटना में एक पैंथर व भालू की मौत हो चुकी है ।इस बारे में मांडलगढ़ उपर माल वन सुरक्षा महासंघ अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि वन्यजीवों की पेयजल व्यवस्था को लेकर क्षेत्र की जनता, भामाशाह,समाजसेवी एवं वन विभाग को मिलकर संयुक्त रूप से कार्य करने चाहिए। वर्तमान में लाडपुरा वन क्षेत्र में भामाशाह के सहयोग से वन्यजीवों के लिए जलापूर्ति की जा रही है ।

मांडलगढ़ के समीप वन क्षेत्र में खाली पड़ा वाटर हॉले

भामाशाहों के योगदान से चला रहे काम

इस बारे में क्षेत्रीय वन अधिकारी दशरथ सिंह का कहना है कि संपूर्ण क्षेत्र के वन्य जीवों के लिए जल व्यवस्थार्थ 10 हजार रुपए का बजट मिलता है जो अब आएगा। भामाशाहों के योगदान से काम चला रहे हैं ।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राजस्थान पत्रिका	प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-वन विभाग,भीलवाडा	संबन्धित मामला:-अव्यवस्था,सुविधाओं की कमी

कृषि उपज मंडी में गहमा-गहमी

फिर उड़ने लगी सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

लहसुन की नीलामी के दौरान उलझते रहे लोग

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बारां. शुरुआती दिनों में थोड़ी सख्ती के बाद स्थानीय कृषि उपज मंडी में मॉडिफाइड लॉकडाउन के दौर में फिर से सोशल डिस्टेंसिंग की पालना की धज्जियां उड़ने लगी है। सोमवार को कृषि उपज मंडी में जिंस की नीलामी, तुलाई व उठाव के दौरान व्यापारी, किसान, मजदूर, हम्माल व मुनीमों ने कोरोना वायरस के दौर में महामारी से बचाव की पालना से बेफिक्र रहे। इस दौरान न तो सोशल डिस्टेंसिंग की पालना नजर आई और न ही सरकार के मास्क पहनने के आदेश की पालना की गई। मंडी में सोमवार से लहसुन की आवक भी शुरू हो गई। इससे भी अब गहमा-गहमी बढ़ गई है।

मंडी में शुरुआती दिनों में तो लॉकडाउन के नियम-कायदों की पालना कराने में व्यापारियों ने मंडी प्रशासन का पूरा सहयोग किया। इसके चलते व्यवरूथा सुचारू रही, इसके बाद जिला प्रशासन ने मंडी प्रतिदिन 600 ट्रॉली के बजाए 900 ट्रॉली जिंस की आवक की अनुमति प्रदान कर दी। लेकिन अब मंडी में लॉकडाउन की पालना के प्रति गंभीरता नहीं दिख रही। नीलामी के दौरान जिंस की ढेरियों पर बड़ी संख्या में व्यापारी, किसान, हम्माल व मजदूर जमा रहने लगे हैं। इनमें ज्यादातर लोग मास्क नहीं पहन रहे। वहीं तुलाई के दौरान भी ऐसे दृश्य नजर आए। मंडी के कई व्यापारियों ने बताया कि मौसम के बदलते मिजाज के कारण व्यापारी व किसान जिंस की नीलामी व तुलाई प्रक्रिया जल्द पूरा करने की होड़ करने लगे हैं। जिससे प्रतिकूल हालात बन रहे हैं।

बारां की कृषि उपज मंडी में सोशल डिस्टेंसिंग की पालना नहीं हो रही। कुछ लोग तो बिना मास्क के ही नजर आए।

बारां कृषि उपज मंडी स्थित लहसुन मंडी में मौजूद किसान। पत्रिका

60 हजार क्विंटल जिंस की आवक

मंडी में करीब 60 हजार क्विंटल जिंस की आवक हुई, इसमें गेहूं के अलावा चना, सरसों व धनिया शामिल रहे। एक व्यापारिक फर्म के लाइसेंस पर तीन ट्रॉली जिंस को मंडी में प्रवेश दिए जाने से आवक बढ़ गई है। ऐसे में किसानों के साथ मजदूरों, हम्मालों व मुनीम भी खासे व्यस्त हो गए। वे जिसं की तुलाई व उठाव को लेकर जल्दबाजी करने लगे हैं। इसी जल्दबाजी में सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क की अनिवार्यता की धज्जियां उड़ने लगी है।

पहले दिन तीन सौ ट्रॉली लहसुन

मंडी में पकरसर में अब लहसुन की बिकवाली भी शुरू हो गई। पहले दिन तीन सौ ट,ॉली की आवक के लिए पास जारी किए गए। ऐसे में लगभग ढाई हजार क्विंटल लहसुन की आवक हुई। लहसुन मंडी शुरू होने के साथ ही भीड़ और बढ़ गई। लहसुन का औसत भाव पांच हजार रुपए प्रति क्विंटल रहा। नीलामी के दौरान यहां धक्का-मुक्की जैसे हालात भी बने।

टोकने पर कर दी मारपीट

मुनीम गुमास्तासंघ के अध्यक्ष रमेशचंद नागर ने बताया कि उन्होंने लहसुन की नीलामी के दौरान व्यवस्था बनाने की कोशिश की तो कई लोग मारपीट पर उतारू हो गए। इसके बाद उन्होंने मोबाइल से वीडियो बनाना चाहा तो एक जने ने उनके साथ मारपीट कर दी। इसकी रिपोर्ट उन्होंने शहर कोतवाली में दी है।

बिक रहे कचौरी व समोसा

वैसे तो मॉडिफाइड लॉकडाउन के दौरान शहर में कचौरी, समोसा समेत पुड़ी, सब्जी के पैंकिट दुकानों से बेचने के लिए अनुमति दी हुई हैं, लेकिन मंडी में कई लोग खुलेआम कचौरी व समोसा बेच रहे हैं। इस दौरान भी खरीदारों की भीड़ लॉकडाउन के नियमों की पालना नहीं हो रही।

मंडी में आने वाले लोगों को हाथ धुलाने के लिए साबुन व पानी की समुचित व्यवस्था की हुई है। कई संगठनों की ओर से मास्क भी बांटे गए थे। मंडी प्रशासन अपने स्तर पर लॉकडाउन के नियमों की पालना के लिए सचेत रहता है, लेकिन व्यापारियों व मंडी के अन्य संगठनों को सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। **मनोज मीणा,** सचिव कृषि उपज मंडी बारां

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राजस्थान पत्रिका,बारां	प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-जिला प्रशासन,बारां	संबन्धित मामला:-अव्यवस्था

05

...कडाउन के समय किचन को किया बंद

संकट की घड़ी में बंद हुई सरकारी रसोई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

धौलपुर. कोरोना के खिलाफ जंग के समय घर-घर में भोजन पहुंचा रही सरकारी कम्यूनिटी किचन बंद हो गई। गत चार दिन से उस पर ताला लगा हुआ है। इतना ही नहीं कई सामाजिक संस्थाओं की ओर से चलाई जा रही अधिकतर कम्यूनिटी किचन भी कर्फ्यू के चलते बंद हैं, जबकि महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इन कम्यूनिटी किचन की स्थापना कोरोना पॉजिटिव संकट के दौरान उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों को देखते हुए की गई थी। अब जब संकट आ ही गया है तो फिर इनको बंद क्यों कर दिया गया। इससे कर्फ्यूग्रस्त इलाकों में कई परिवारों में भूख की स्थिति बनी हुई है। हालांकि पुराने शहर में तीन-चार कम्यूनिटी किचन संचालित हुई थी, लेकिन कर्फ्यू के चलते मदीना कॉलोनी तथा डीडी गार्डन वाली किचन बंद कर दिया गया है। वहीं रसोई में खाना बनाने के दौरान लोग भी अधिक हो जाते हैं। इसके मद्देनजर ही यह बंद कर दी गई हैं।

तीन दिन से पुराना शहर, मदीना कॉलोनी सहित विभिन्न कॉलोनियों में लगे कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सामान सहित सब्जी, फल, दूध तथा सिलेण्डर आपूर्ति नहीं होने से लोगों को खाना पकाने में दिक्कतें हो रही हैं। वहीं जलापूर्ति के समय भी बिजली गुल होने से पानी भी नहीं आ पा रहा है। मुस्लिम समुदाय ने प्रशासन को परेशानी से अवगत कराया है।

धौलपुर स्थित महाराणा स्कूल में बंद कम्युनिटी किचन।

धौलपुर स्थित कन्या विद्यालय में बंद कम्युनिटी किचन। पत्रिका

महाराणा व बालिका विद्यालय की किचिन बंद

जिला प्रशासन ने निर्धन, असहाय तथा जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महाराणा तथा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राधाबिहारी मंदिर में कम्युनिटी किचन शुरू की थी। इससे हजारों लोगों को भोजन व्यवस्था की गई। वहीं जिला प्रशासन के आग्रह पर अग्रवाल समाज, जैन समाज, त्यागी समाज, ब्राह्मण समाज, सेवा भारती, कांग्रसे शिक्षक सहित अन्य सामाजिक संगठनों ने भी कम्यूनिटी किचन शुरू कर दी। लेकिन अब जिला मुख्यालय पर कर्फ्यू लगने के एक दिन पहले 24 तारीख को किचन का बंद कर दिया। हालांकि इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि अन्य सामाजिक संस्थाओं की ओर से बनाया जा रहा भोजन ही पर्याप्त था, इस कारण सरकारी को बंद कर दिया गया।

कई परिवार परेशान

कर्फ्यू लगने के बाद रेलवे स्टेशन सहित अन्य कई मोहल्लों में श्रमिक वर्ग परेशान हैं और उन्हें अब एक ही समय भोजन मिल रहा है। इसके चलते कइयों ने सरकारी कार्मिकों से भी भोजन उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है। 11 विद्यालयों में बन रही थीं रोटियां, उनमें भी आई कमी : जिला मुख्यालय तथा आसपास के इलाके में स्थित 11 विद्यालयों में पोषाहार से प्रतिदिन तीस किलो आटे की रोटियां बनाने के लिए आदेश दिए गए थे। इन रोटियों को गायों तथा मूक पशुओं को खिलाना था, लेकिन इन विद्यालयों में भी धीरे-धीरे रोटियां बनना या तो बंद हो गया है या फिर कुछ किलो आटे की ही रोटियां बन रही हैं। हालांकि यह आदेश 1 अप्रेल को दिया गया था। बाद में प्रशासन ने चारे की व्यवस्था भी कर दी गई, इस कारण रोटियां कम बनाई जा रही थीं।

कम्यूनिटी किचन इसलिए बंद की गई थी, कि लोगों को राशन किट भी पहुंच गई है। जरूरतमंद भोजन के पैकेट भी ले रहे हैं। ऐसे में डबल-डबल राशन पहुंच रहा था। वहीं वास्तविक जरूरतमंदों को सामाजिक संस्थाओं से भोजन भिजवा रहे हैं। वहीं कर्फ्यू वाले क्षेत्र में आवश्यक सामान, दूध, सब्जी व सिलेण्डर की व्यवस्था कर दी गई है।

राकेश कुमार जायसवाल, जिला कलक्टर, धौलपुर।

कर्फ्यू लगने के बाद मदीना कॉलोनी तथा डीडी गार्डन स्थित कम्यूनिटी किचन बंद हो गई है। वहीं पकाने के लिए आवश्यक सामान की आपूर्ति भी नहीं हो रही है। ऐसे में जिला कलक्टर को लिखित में परेशानी से अवगत कराया है, जिस पर उन्होंने समाधान कराने का आश्वासन दिया है।

मोहम्मद मतीन खां, शहर काजी, धौलपुर।

करीब सवा महीने कोई धंधा नहीं है। जमा पूंजी खर्च हो गई। अब खाने के भी लाले पड़ गए हैं।

शरीफ खान, कचहरी रोड, धौलपुर।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राजस्थान पत्रिका,धौलपुर	प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-जिला शिक्षा विभाग	संबन्धित मामला:-अव्यवस्था

06

अस्पताल का कचरा डालने को लेकर लोगों ने जताया रोष

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बहरोड़. कस्बे के कुण्ड रोड स्थित एक निजी अस्पताल की ओर से कचरा बाहर पास में ही डालने पर स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। अस्पताल प्रशासन भी कचरा डालने पर रोक नहीं लगा रहा है।

कुण्ड रोडनिवासी जितेंद्र यादव,विशाल कुमार,राजकुमार ने बताया कि अस्पताल द्वारा यहां पर खुले में कचरा डाला जाता है। अस्पताल से निकला बायो मेडिकल कचरा हैं, जिसमें बड़ी संख्या में इस्तेमाल हो चुकी सिरिंज, दवाइयों के रैपर आदि शामिल हैं। कोरोना संक्रमण के चलते लोगों के बीमार होने का अंदेशा बना हुआ है।?लोगों ने प्रशासन से अस्पताल को कचरा डालने पर पाबंद करने की मांग की है।

07

बिना फिजिशियन जिला चिकित्सालय संकट में

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

चित्तौड़गढ़. एक ओर कोरोना का संक्रमण का संकट दूसरी ओर चित्तौड़गढ़ के जिला अस्पताल में चिकित्सकों की कमी भी एक नई समस्या बनकर सामने आ गई है। शनिवार को कोरोना पॉजीटिव मिले व्यक्ति के सम्पर्क में आने के बाद वरिष्ठ फीजिशियन सहित चार अन्य चिकित्सकों को क्वारेंटाइन में भेज दिया गया है। ऐसे में वर्तमान में जिला चिकित्सालय में एक भी फिजिशियन चिकित्सक नहीं है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यहां आने वाले रोगियों की जांच कौन करेगा।

जिला अस्पताल में केवल एक ही वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. अनिश जैन सेवाएं दे रहे थे। शनिवार को आया कोरोना पॉजिटिव के सम्पर्क में आने से जैन सहित चार चिकित्सकों को जांच के साथ ही क्वारेंटाइन कर दिया गया। इसके बाद अब वे कम से कम 14 दिन तक क्वारेंटाइन में रेंगे। ऐसे में अब आज की स्थिति में जिला चिकित्सालय में कोई भी फीजिशियन नहीं है। इसके बाद सबसे बड़ी समस्या यह है कि अब यहां आने वाले रोगियों का परीक्षण एवं उपचार कैसे होगा। वहीं रविवार को चेस्ट फिजिशियन डॉ. राकेश भटनागर को भी निम्बाहेड़ा लगा दिया गया। इसके बाद तो यहां पर संकट की स्थिति उत्पनन हो गई है।

समस्या तो हो गई

चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ आदि के बड़ी संख्या में पद रिक्त है। ऐसे में फीजिशियन के क्वरेंटाइन में जाने से समस्या उत्पन्न हो गई है। अब यहां पर एसएमओ से काम चलाने का प्रयास करेंगे।

डॉ. दिनेश वैष्णव, पीएमओ, जिला सामान्य चिकित्सालय, चित्तौड़गढ

एसीएस से की है बात

वास्तव में यह बात गंभीर है। जिला चिकित्सालय में कोई भी फीजिशियन नहीं होने से अस्पताल अनाथ सा हो गया है। इसको लेकर जिला कलकटर से भी चर्चा हुई है और उन्हें भी निवेदन किया है कि जहां से भी कोरोना का संक्रमित मरीज लगे तो उसे वहीं उदयपुर भिजवाने की व्यवस्था करें। वहीं जयपुर में भी एसीएस के सामने इस समस्या को रखा है उन्होंने कहा है कि कल तक किसी फीजिशियन को भेजने की व्यवस्था करेंगे।

सुरेन्द्रसिंह जाड़वत, पूर्व विधायक चित्तौड़गढ़

पहले से है यह हाल

जिला चिकित्सालय चिकित्सकों के मामले में बहुत ही खराब स्थिति में है। यहां पर चार फीजिशियन के पद है लेकिन एक ही चिकित्सक के भरोसे काम चल रहा है। तीन पद रिक्त चल रहे है। वरिष्ठ विशेषज्ञों के 10 पद में से 9 पद रिक्त चल रहे है। वहीं कनिष्ठ विशेषज्ञ के 23 पदों में से 7 पद अभी भी रिक्त हैं। इसी प्रकार चिकित्सा अधिकारी के 52 पदों में से 30 पद अभी रिक्त चल रहे हैं। उपनियंत्रक का एक पद है वह भी लम्बे समय से रिक्त है।

चित्तौड़गढ़ जिला : एक नजर

- जिले में पीएचसी - 47
- जिले में सीएचसी - 23
- चिकित्सकों के पद -242
- चिकित्सकों के रिक्त पद- 131

जिला अस्पताल

- जिला अस्पताल- 01
- चिकित्सकों के पद स्वीकृत- 89
- चिकित्सकों के रिक्त - 40

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राज. पत्रिका,अलवर
प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-चिकित्सा विभाग,अलवर
संबन्धित मामला:-अव्यवस्था,संक्रमण का खतरा

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राज. पत्रिका,चित्तौड़गढ़
प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-चिकित्सा विभाग,चित्तौड़गढ़
संबन्धित मामला:-अव्यवस्था,डॉक्टर की कमी

08

कोरोना के चलते बंद हो गया ऑपरेशन थियेटर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बहरोड़. कोरोना वायरस के चलते रेफरल अस्पताल में रोजाना होने वाले ऑपरेशन टल गए हैं। अस्पताल में कोरोना वायरस के कारण लगे लॉक डाउन से पहले हर महीने पचास से अधिक ऑपरेशन होते थे। लेकिन अब अस्पताल में सिर्फ आपतकालीन ऑपरेशन व सिजेरियन डिलीवरी के ऑपरेशन हो रहे हैं।

अस्पताल के सर्जन डॉ. अमित यादव ने बताया कि कोरोना वायरस के चलते अस्पताल में होने वाले सभी ऑपरेशन स्थगित कर दिए गए है वहीं विभिन्न कैम्पों में होने वाले नसबंदी के ऑपरेशन भी फिलहाल नहीं हो रहे हैं। ऐसे में अस्पताल में सिर्फ मरीजों को ऑपरेशन बाद में करने की सलाह दी जा रही है।अस्पताल में रोजाना दर्जनों मरीज आ रहे हैं लेकिन उन्हें चिकित्सको द्वारा अभी दवाइयां दी जा रही है तथा लोगों को कोरोना वायरस के चलते अस्पताल में कम से कम आने तथा घर पर ही रहने की सलाह दे रहे है।

बहरोड़. कोरोना वायरस के चलते बन्द पड़ा अस्पताल का ऑपरेशन थियेटर।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राजस्थान पत्रिका,अलवर	प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-चिकित्सा विभाग,अलवर	संबन्धित मामला:-अव्यवस्था,सुविधाओं की कमी

09

स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी से संकट में मरीजों की जान

बिना लाइसेंस चल रहे कई मेडिकल स्टोर, अधिकारी मौन

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राज. पत्रिका,जालोर	
प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020	
जिम्मेदार विभाग:-औषधि नियंत्रक विभाग,जालोर	
संबन्धित मामला:-भ्रष्टाचार,मिलीभगत	

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बागोड़ा. कस्बे सहित आस पास के गांवों में बिना लाइसेंस के चल रहे कई मेडिकल स्टोर मरीजों की जान के लिए आफत बने हुए हैं। इन दुकानों पर जाने वाले मरीजों को अक्सर ये संचालक डॉक्टर की लिखी दवा देने के बजाय मिलती जुलती दवा थमा देते हैं। जिससे मरीजों के साथ कभी भी अनहोनी हो सकती है। क्षेत्र के धुम्बड़िया गांव में भी ऐसी ही शिकायतें मिली हैं। इसके बावजूद अधिकारी आंखें मूंदें बैठे हैं। इसी तरह कस्बे से लेकर गांवों तक दर्जनों मेडिकल स्टोर बिना लाइसेंस के ही धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। ऐसा नहीं कि स्वास्थ्य महकमा इससे अनजान है, बल्कि जिम्मेदार सब कुछ जानते हुए भी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। शिकायत पर जांच तो दूर कोई मेडिकल स्टोर्स पर बिक रही प्रतिबंधित दवाओं तक की पड़ताल नहीं हो रही है। इसके अलावा बागोड़ा कस्बे में भी ऐसे कई मेडिकल स्टोर सालों से बिना लाइसेंस के संचालित हो रहे हैं। चार साल पहले औषधि नियंत्रण टीम की छापेमारी में बागोड़ा के दो मेडिकल स्टोर बगैर लाइसेंस के संचालित होना पाया गया, लेकिन बाद में मामले की जाच ठंडे बस्ते में डाल दी गई थी। लोगों की मानें तो बिना लाइसेंस के चल रहें कई मेडिकल स्टोरों पर प्रतिबंधित दवाएं भी खुले आम बेची जाती हैं। जिनके सेवन से युवाओं की सेहत भी बिगड़ रही है। वहीं मेडिकल स्टोर संचालक भी चांदी काट रहे हैं। इस बारे में औषधि निरीक्षक सायरा बानो का कहना है कि मेडिकल स्टोर का लाइसेंस नहीं है तो इस संबंध में जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

10

किसानों को नहीं मिल रहा फसल बीमा का मुआवजा

केशवरायपाटन. फसल बीमा के नुकसान का मुआवजा नहीं मिलने पर सोमवार को बैंक के सामने रोष जताते किसान।

केशवरायपाटन. क्षेत्र के किसानों से केसीसी लेते समय फसल बीमा प्रीमियम तो काट लिया, लेकिन खराबे के बाद बीमा कम्पनी किसानों को नुकसान का मुआवजा नहीं दे रही। क्षेत्र के किसानों ने सोमवार को बैंक ऑफ बड़ौदा कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने बताया कि वर्ष 2019 में खरीफ की फसल में नुकसान हो गया। बैंक में मुआवजा नहीं आया। चडी के किसान धनराज मीणा, जगन्नाथ शर्मा, भीया के किसान रामजीवन शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, कुलविंदर सिंह ने बताया कि केसीसी लेते समय बैंक प्रत्येक किसानों से बीमा का भुगतान काटकर बीमा कम्पनी को भेजती हैं, वर्ष 2019 में खरीफ की फसल में नुकसान होने के बाद किसानों को खराबे का मुआवजा नहीं मिला। इधर, बैंक ऑफ बड़ौदा केशवरायपाटन के शाखा प्रबंधक सी.आर. मीणा ने बताया कि किसानों से केसीसी लेते समय बीमा राशि काटी जाती हैं। इस बार किसानों को मुआवजा नहीं मिलने की शिकायत मिली हैं। जिससे उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया। कुछ किसानों के खातों में मुआवजा आया भी हैं।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राज. पत्रिका,बूंदी
प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-कृषि विभाग
संबन्धित मामला:-भ्रष्टाचार,अव्यवस्था

11

सुबह से बिकना शुरू हो जाती है शराब

पुलिस पर बिफरे सरपंच

दूनी के राजीव गांधी सेवा केन्द्र में सरपंचों की बैठक लेती देवली एसडीओ अनिता खटीक।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

दूनी. कोरोना संक्रमण के चलते लगाए लॉकडाउन में राजीव गांधी सेवा केन्द्र दूनी में सोमवार देवली एसडीओ अनिता खटीक की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल एक दर्जन पंचायतों के सरपंच ने समस्याओं का अम्बार लगा दिया। उन्होंने लॉकडाउन में पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए। इसके बाद एसडीओ ने सरपंचों को सभी समस्याओं का समाधान किए जाने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है आयोजित बैठक में आवां सरपंच दिव्यांश भारद्वाज ने बताया कि विभागीय लापरवाही के चलते सरकार की ओर से निर्धनों के खाते में आने वाली लाभांश योजना सहित आपदा की सहायता राशि अमीरों के खातों मे आ रही हैं। साथ ही बताया कि लॉकडाउन में अवैध रूप से शराब की बिक्री भी हो रही हैं। गैरोली सरपंच सीताराम ने बताया कि सुबह से देर रात तक आसानी से शराब उपलब्ध हो रही हैं, इससे महिलाएं एवं बालिकाओं का घर से निकलना मुश्किल हो रहा हैं। बंथली सरपंच श्यामसिंह राजावत ने बताया कि पुलिस की लापरवाही के चलते लॉकडाउन की पालना नहीं हो रही हैं। जूनिया सरपंच संतरादेवी मीणा ने गत दिनों पुना (महाराष्ट्र) से जलसीना आए बुखार से पीड़ित उसकी जांच रिपोर्ट नहीं आने से भय हैं।

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राज. पत्रिका,टोंक
प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-जिला प्रशासन,टोंक
संबन्धित मामला:-भ्रष्टाचार,मिलीभगत

लॉकडाउन की अवहेलना : चोर रास्तों से कर रहे गांवों में प्रवेश, प्रशासन के पास सूचना नहीं, प्रशासन अब करा रहा सर्वे,पता चलते ही कर रहे क्वारेंटाइन

भीलवाड़ा पहुंचे 25 हजार प्रवासी, कर सकते हैं कोरोना विस्फोट

पत्रिका पड़ताल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

भीलवाड़ा. दूसरे राज्यों में रहने वाले प्रवासी राजस्थानी जैसे-तैसे घर पहुंच रहे हैं। ये बिना जांच के छुपते-छुपाते सीधे गांवों में आ रहे हैं। इनसे कोरोना विस्फोट की आशंका है। जिला प्रशासन सर्वे करा रहा है। इसमें सामने आया कि 25 से 30 हजार लोग बाहरी राज्यों से यहां आए। कई लोग फल-सब्जियों की ट्रक में यहां पहुंचे तो कुछ दुपहिया से ही आ गए। कुछ निजी वाहन से अपने घर पहुंचे। जिले के मांडल, सहाड़ा, समेत करेड़ा, आसींद, कोटड़ी, जहाजपुर, हुरड़ा क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग बाहर व्यापार करते हैं।

इसमें आइसक्रीम का काम प्रमुख है। जिले के लोग महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, झारखंड, बिहार, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, गुजरात, कनार्टक व केरल आदि राज्यों में ज्यादा रहते हैं। लॉकडाउन होने पर वहां के प्रशासन ने इनका व्यापार बंद कर दिया तो ये गांव लौटने लगे। कई लोगों ने खुद की जांच करा ली लेकिन कुछ ने क्वारेंटाइन की पालना नहीं की। वे अभी घरों के बाहर घूम रहे हैं।

केस-01

भगवानपुरा के गोपाल पिता नंदलाल तिवारी का पंजाब में आइसक्रीम का कारोबार है। तिवारी ने बताया-कोरोना से व्यापार बंद हो गया। कई दिन आने की जुगाड़ नहीं बैठी। जिस गांव में रहते थे, वहां से पैदल शहर में हाईवे पहुंचे। दो दिन खड़े रहे तब एक ट्रक मिला, जिससे यहां पहुंचे। ट्रक जम्मू से आ रहा था। यहां होम आइसोलेशन में रहे हैं।

केस-02

करेड़ा के मेवासा के फत्तालाल गुर्जर महाराष्ट्र में कुएं खुदाई का काम करते हैं। पांच हजार रुपए उधार लेकर मोटर-साइकिल से गांव रवाना हुए। पांच दिन में पहुंचे। कई जगह चेकिंग के कारण हाईवे छोड़ना पड़ा। प्रशासन ने क्वारेंटाइन कर दिया। इसी क्षेत्र के मोटा का खेड़ा के युवक जयपुर से सब्जी विक्रेता का पास बनाकर यहां पहुंचे थे।

भीलवाड़ा में से बाहर व जिले में फंसे लोगों को लाने-ले जाने के लिए मांगा गया फॉर्मेट जमा कराने वालों की नगर परिषद में लगी कतार। यहां सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां भी उड़ रही।

सरकार ने की व्यवस्था

बाहर जाने व आने वाले लोगों के लिए प्रशासन ने उपखंड अधिकारियों से सूचना मांगी। टोल फ्री नंबर भी जारी किया। सूचना एकत्र होने पर बाहर से लोगों को लाने-ले जाने की व्यवस्था की जाएगी।

काश, ऐसी व्यवस्था सब करें

जिले में रायपुर के रेवाड़ा के लोगों ने गांव के बाहर धहेड़ा बावजी के स्थान पर धर्मशाला को क्वारेंटाइन सेंटर बनाया। बाहर से आए लोगों को गांव में प्रवेश नहीं दे रहे। 14 दिन तक यहां रख सेहत की जांच करा रहे हैं। गांव वाले ही खाने-पीने की व्यवस्था कर रहे हैं। यहां के लोग बाहर आइसक्रीम व हलवाई का काम करते हैं। इस व्यवस्था से गांव में कोरोना नहीं फैल सकता क्योंकि पहले से सचेत हैं। ऐसी पहल सभी गांवों में होनी चाहिए।

प्रवासियों के यहां आने से असर

01. खुशी : राहत की बात है कि राजस्थान से बाहर रहने वाले लोग अप घर पहुंच रहे हैं। ऐसे में परिजनों की चिंता खत्म हो गई। अब वे इस सीजन में बाहर नहीं जाएंगे।

02. परेशानी: अभी भी जिले के करीब 20 हजार लोग अन्य प्रदेशों में फं से हैं, जो यहां आना चाहते हैं। वे स्थानीय स्तर पर नेताओं व अधिकारियों संपर्क कर रहे हैं।

03. चिंता: बड़ी चिंता है कि बाहर से आने वाले कोरोना संक्रमित हो सक हैं। यदि एक में हुआ तो पूरे परिवार और गांव को संक्रमित कर देगा। प्रशासन इसे लेकर चिंतित है।

04. व्यवस्था: जिला प्रशासन ने सभी उपखंडों पर 200 बैड के क्वारेंटाइ सेंटर बनाए। बाहर से आने वालों को वहां रख रहे हैं। पटवारी-ग्रामसेवक नजर रखे हैं। आते ही जांच करा रहे हैं।

प्रशासन की है नजर

बाहर से आ रहे लोगों पर प्रशासन की नजर है। लोगों से अपील है कि वे इसे छिपाए नहीं। ऐसा किया तो खुद के साथ परिवार की जान को भी खतरा पैदा कर देंगे। हमें सूचना दे ताकि समय पर जांच हो सके। प्रशासन सर्वे भी करा रहा है ताकि बाहर से आने वालों का पता चल सके।

राकेश कुमार, एडीएम प्रशासन

संबन्धित समाचार पत्र एवं संस्करण:-राज. पत्रिका,भीलवाडा
प्रकाशन दिनांक:-28/04/2020
जिम्मेदार विभाग:-जिला प्रशासन,भीलवाडा
संबन्धित मामला:-अव्यवस्था